Chapter-III: Allied Matters

15. Lending and Relending Terms of Local Currency/Foreign Loans.

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার অর্থ মন্ত্রণালয় অর্থ বিভাগ বহিঃ অর্থ অনুবিভাগ শাখা-৩

নং-০৭.১১৪.০৩১.৩৬.০০.০০৭.২০১১.৪৩

তারিখঃ ০৭ চৈত্র, ১৪১৭ বঃ/২১ মার্চ, ২০১১ খ্রিঃ

বিষয়ঃ বিভিন্ন স্বায়ত্তশাসিত/আধা-স্বায়ত্তশাসিত সংস্থা, পাবলিক সেক্টর কর্পোরেশন এবং রাষ্ট্রায়াত্ত কোম্পানিসমূহকে স্থানীয় /বৈদেশিক মুদ্রায় ঋণ প্রদানে সংশোধিত শর্তাবলী ।

সরকার বিভিন্ন স্বায়ন্তশাসিত/আধা-স্বায়ন্তশাসিত সংস্থা, পাবলিক সেক্টর কর্পোরেশন এবং রাষ্ট্রায়ান্ত কোম্পানিসমূহকে স্থানীয় মুদ্রায় প্রদন্ত ঋণ, বৈদেশিক মুদ্রায় ঋণের লগ্নী এবং পুনঃলগ্নীর সুদের হার এবং শর্তাবলী পুনঃনির্ধারণপুর্বক একটি সংশোধিত নীতিমালা প্রণয়ন করেছে।

- ২। এ পরিপত্র জারির পূর্ববতী সময়ে সম্পদিত সকল ঋণের লগ্নী/পুনঃলগ্নীর ক্ষেত্রে অর্থ বিভাগের ১৭/০৩/২০০৪ তারিখের অম/অবি/উঃ-১/বিবিধ-১৩/০৪/৩৬৮ নং পরিপত্রে বর্ণিত শর্তাবলী অপরিবর্তিত থাকবে।
- ৩। সংশোধিত নীতিমালাটি অবিলম্বে কার্যকর হবে এবং তা পরিপত্র জারির পরবর্তী সময়ে সম্পাদিতব্য নতুন ঋণের লগ্নী/পুনঃলগ্নীর ক্ষেত্রে প্রযোজ্য হবে।
- ৪। যথাযথ কর্তৃপক্ষের অনুমোদনক্রমে এ পরিপত্র জারি করা হলো।

শ্বাক্ষরিত/তারিখঃ ২১ মার্চ, ২০১১ খ্রিঃ।
(কাজী শফিকুল আযম)
যুগ্ম সচিব (বাজেট-১)
ফোন-৭১৬৫২৯০

বিতরণঃ

- ১। মন্ত্রিপরিষদ সচিব, মন্ত্রিপরিষদ বিভাগ।
- ২। মখ্য সচিব, প্রধানমন্ত্রীর কার্যালয়।
- ৩। বাংলাদেশের মহা হিসাব নিরীক্ষক ও নিয়ন্ত্রক, অডিট হাউজ, কাকরাইল, ঢাকা।
- ৪। সচিব, -----মন্ত্রণালয়/বিভাগ।
- ৫। সদস্য (সকল), পরিকল্পনা কমিশন, শেরে বাংলা নগর, ঢাকা।
- ৬। হিসাব মহা-নিয়ন্ত্রক, সেগুনবাগিচা, ঢাকা।
- ৭। চেয়ারম্যান/ব্যবস্থাপনা পরিচালক/মহাপরিচালক (সকল সংস্থা)-----।

নং-০৭.১১৪.০৩১.৩৬.০০.০০৭.২০১১.৪৩

খঃ ০৭ চৈত্র, ১৪১৭ বঃ/২১ মার্চ, ২০১১ খ্রিঃ।

সদয় অবগতি ও কার্যার্থেঃ

- ১। অতিরিক্ত মহা পরিচালক (অর্থ), বাংলাদেশ রেলওয়ে, রেল ভবন, ঢাকা।
- ২। অর্থ বিভাগের সকল কর্মকর্তা।
- ৩। প্রধান হিসাবরক্ষণ কর্মকর্তা-----মন্ত্রণালয়/বিভাগ।

স্বাক্ষরিত/তারিখঃ ২১ মার্চ, ২০১১ খ্রিঃ।
(টি, কে, এম মোশফেকুর রহমান)
সিনিয়র সহকারী সচিব
ফোন-৯৫৬৫৪৯৬

Lending and Relending Terms for Public Investment
(State Owned Enterprises/Autonomous Bodies/Semi-Autonomous Bodies/
State Owned Companies)

| Corporation | Interest on | Interest on | Repayment | Remarks |
|---|-------------|-----------------|---------------|----------------------|
| - | lending | relending | period | |
| | (GoB loan) | (Foreign | including | |
| | (%) | loan) (%) | grace period | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | A. Sta | te Owned Ente | erprises: | |
| BCIC | 5 | 6 | 20 Years | i) For fertilizer |
| | | | (Grace period | industries the |
| | | | 5 years) | interest rate on |
| BJMC | 5 | 6 | 20 Years | relending of foreign |
| | | | (Grace period | loans will be 4.5% |
| | | | 5 years) | |
| SSEC | 5 | 6 | 20 Years | ii) Debt: equity |
| | | | (Grace period | ratio shall be |
| | | | 5 years) | ranged from 67;33 |
| BSFIC | 5 | 6 | 20 Years | to 60:40 as may be |
| | | | (Grace period | determined by the |
| | | | 5 years) | Government. |
| BTMC | 5 | 6 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 5 years) | |
| BFIDC | 5 | 6 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 5 years) | |
| Others | | | | Government will |
| | | | | determine |
| | | | | lending/relending |
| | | | | terms on a case-by- |
| | | | | case basis |
| | | | | considering the |
| | | | | above mentioned |
| | | | | terms and |
| | | | | conditions. |
| | 2. Sector | :: Power, Gas a | nd Water | |
| WASA | 4 | 5 | 20 Years | Recovery of full |
| ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | | ٥ | (Grace period | cost should be |
| | | | 5 years) | justified |
| | | | 2 Jours) | (investment and |
| | | | | operation). But |
| | | | | because of Public |
| | | | | interest in terms of |
| | | | | urbanization/human |
| | | | | settlement, larger |
| | | | | equity participation |
| | | | | or limited grants by |
| | | | | ~ |
| | | | | Government may |

| Corporation | Interest on | Interest on | Repayment | Remarks |
|----------------------|---------------|------------------|----------------|-----------------------|
| Corporation | lending | relending | period | Kemarks |
| | (GoB loan) | (Foreign | including | |
| | (%) | loan) (%) | grace period | |
| | (70) | 10411) (70) | grace period | be considered in |
| | | | | appropriate cases. |
| Bangladesh Power | 3 | 4 | 20 Years | Debt: equity ratio |
| Development Board | | | (Grace period | shall continue to be |
| 1 | | | 5 years) | 40:60 |
| PETROBANGLA | 4 | 5 | 15 Years | i) Debt:equity ratio |
| and its subsidiaries | | _ | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 3 years) | from 67:33 to 60:40 |
| | | | , | ii) These terms |
| | | | | should apply only |
| | | | | for transmission, |
| | | | | production, mining |
| | | | | and distribution |
| | | | | projects. |
| 3. | Sector: Tran | sportation and | Communication | · • • |
| BSC | 5 | 6 | 15 Years | Debt: equity ratio |
| | | | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 2 years) | from 67:33 to 60:40 |
| BIWTC | 5 | 6 | 15 Years | as may be |
| | | | (Grace period | determined by the |
| | | | 2 years) | Government |
| BRTC | 5 | 6 | 15 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 2 years) | |
| Chittagong Port | 5 | 6 | 20 Years | Government would |
| Authority | | | (Grace period | encourage |
| | | | 5 years) | financing all |
| Mongla Port | 5 | 6 | 20 Years | projects from |
| Authority | | | (Grace period | internally generated |
| | | | 5 years) | resources. |
| | | 4. Commercia | ıl | |
| BPC and its | 5 | 6 | 20 Years | Debt: equity ratio |
| subsidiaries | | | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 5 years) | from 67:33 to 60:40 |
| TCB | 5 | 6 | 20 Years | as may be |
| | | | (Grace period | determined by the |
| | | | 5 years) | Government. |
| 5. Sect | or: Agricultu | re, Fisheries an | d Rural Develo | |
| BADC | 4 | 5 | 20 Years | i) Debt: equity ratio |
| | | | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 5 years) | from 67:33 to 60:40 |
| | | | | as may be |
| | | | | determined by the |
| | | | | Government. |
| | | | | ii) For |

| Corporation | Interest on lending (GoB loan) (%) | Interest on relending (Foreign loan) (%) | Repayment period including grace period | Remarks |
|--|---|---|---|---|
| | (70) | Touris (70) | grace period | infrastructural projects financing should be on the basis of grants. iii) For credit programmes interest rate and other terms will depend on general interest rate policy of the Bangladesh Bank. |
| Bangladesh Fisheries Development Corporation | 4 | 5 | 20 Years (Grace period 5 years) | i) Debt: equity ratio shall be ranged from 67:33 to 60:40 as may be determined by the Government. ii) For research and Development programme Government may provide grant. |
| Others | | | | Government will determine lending/relending terms on a case-by-case basis considering the above mentioned terms and conditions. |
| D A HIH | | ector: Infrastru | | '' 777 |
| RAJUK | 5 | 6 | 20 Years (Grace period 5 years) | i) These conditions should apply to area/residential |
| CDA | 5 | 6 | 20 Years (Grace period 5 years) | estates development schemes which serve |
| KDA | 5 | 6 | 20 Years (Grace period 5 years) | primarily/mainly high income urban groups. Such |
| RDA | 5 | 6 | 20 Years (Grace period 5 years) | schemes may be financed on 100% loan. |
| Others | 5 | 6 | 20 Years | ii) For projects with |

| Corporation | Interest on lending | Interest on relending | Repayment period | Remarks |
|-------------------------|---------------------|-----------------------|------------------------|---|
| | (GoB loan) | (Foreign | including | |
| | (%) | loan) (%) | grace period | |
| | (70) | 10a11) (70) | (Grace period | infrastructural and |
| | | | 5 years) | commercial |
| National Housing | 5 | 6 | 20 Years | components, |
| Authority | | | (Grace period | Government may |
| | | | 5 years) | determine the |
| | | | | proportions of grant |
| | | | | and loan depending |
| | | | | on their relative |
| | | | | weights in the total |
| | | | | project cost. |
| | | | | iii) For low income housing, |
| | | | | infrastructure or |
| | | | | projects having |
| | | | | important social |
| | | | | welfare |
| | | | | implications, |
| | | | | Government may |
| | | | | consider |
| | | | | appropriate mix of |
| | | | | loans and grants. |
| | | 7. Sector: Servi | ce | |
| Bangladesh | 4 | 5 | 15 Years | i) Projects should |
| Freedom Fighters' | | | (Grace period | have short gestation |
| Welfare Trust | | | 3 years) | period. |
| BFDC | 5 | 6 | 15 Years | ii) Debt: equity |
| | | | (Grace period | ratio shall be |
| D 1 - 1 1 | 5 | | 3 years) | ranged from 67:33 to 60:40 as may be |
| Bangladesh | 3 | 6 | 15 Years | determined by the |
| Parjatan Corporation | | | (Grace period 3 years) | Government. |
| Bangladesh Civil | 5 | 6 | 15 Years | iii) When projects |
| Aviation Authority | 3 | O | (Grace period | for infrastructural |
| Tiviation Tathonty | | | 2 years) | development are |
| | | | 2 years) | undertaken, for |
| | | | | instance, |
| | | | | Government loan |
| | | | | and grant may be |
| | | | | mixed in |
| | | | | proportions |
| | | | | corresponding with |
| | | | | the relative |
| | | | | importance of |
| | | | | infrastructural and |
| | | | | commercial |
| | | | | components in the |

| Corporation | Interest on lending (GoB loan) (%) | Interest on relending (Foreign loan) (%) | Repayment period including grace period | Remarks |
|---------------------------------------|---|---|---|---|
| | | | | total cost of the projects. Government will determine the appropriate mix. |
| BIWTA | 5 | 6 | 15 Years (Grace period 2 years) | i) Debt: equity ratio shall be ranged from 67:33 to 60:40 as may be determined by the Government. ii) When projects having important social welfare/Public interests which may not be commercially viable, should be financed on the basis of grants. However, when it executes revenue earning projects, the terms of financing should be the same as applicable to BIWTC. |
| BSCIC | 5 | 6 | 15 Years (Grace period 2 years) | Debt: equity ratio shall be ranged from 67:33 to 60:40 as may be determined by the Government. |
| BEPZA | 6 | 7 | 15 Years (Grace period 2 years) | Debt: equity ratio shall be ranged from 67:33 to 60:40 as may be determined by the Government. |
| Bangladesh Water Development Board | 5 | 6 | 15 Years (Grace period 2 years) | The present practice of financing for Flood Control and Irrigation projects |

| Corporation | Interest on | Interest on | Repayment | Remarks |
|--------------------|-----------------------|-----------------------|---------------------------|-------------------------------------|
| | lending (GoB loan) | relending (Foreign | period including | |
| | (%) | loan) (%) | grace period | |
| | | | | on grant basis may continue. Loan |
| | | | | financing may be |
| | | | | considered in future |
| | | | | in the context of |
| | | | | administration of |
| | | | | water rates e.g. |
| | | | | collection |
| | | | | procedures, |
| | | | | assessment rates, |
| | | | 12.77 | etc. |
| Bangladesh Tea | 5 | 6 | 15 Years | Debt: equity ratio |
| Board | | | (Grace period 2 years) | shall be ranged from 67:33 to 60:40 |
| | | | 2 years) | as may be |
| | | | | determined by the |
| | | | | Government. |
| Bangladesh | 4 | 5 | 15 Years | i) Debt: equity ratio |
| Handloom Board | | | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 2 years) | from 67:33 to 60:40 |
| Bangladesh | 4 | 5 | 15 Years | as may be |
| Sericulture Board | | | (Grace period | determined by the |
| рарті | 4 | | 2 years) | Government. |
| BSRTI | 4 | 5 | 15 Years | ii) When projects |
| | | | (Grace period 2 years) | having important |
| | | | 2 years) | social |
| | | | | welfare/Public |
| | | | | interests which may |
| | | | | not be |
| | | | | commercially |
| | | | | viable, should be |
| | | | | financed on the |
| EDD | E | - | 15 Warne | basis of grants. |
| EPB | 5 | 6 | 15 Years (Grace period | Debt: equity ratio shall be ranged |
| | | | 2 years) | from 67:33 to 60:40 |
| Bangladesh Bridges | 5 | 6 | 15 Years | as may be |
| Authority | | Ŭ | (Grace period | determined by the |
| | | | 2 years) | Government. |
| BTRC | 6 | 7 | 15 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 2 years) | |
| BERC | 5 | 6 | 15 Years | Debt: equity ratio |
| | | | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 2 years) | from 67:33 to 60:40 |

| Corneration | Interest on | Interest on | Danazmant | Remarks |
|----------------------------------|-------------|----------------------|------------------|-------------------------------|
| Corporation | lending | relending | Repayment period | Remarks |
| | (GoB loan) | (Foreign | including | |
| | (%) | loan) (%) | _ | |
| | (%) | 10an) (%) | grace period | as may be |
| | | | | as may be |
| | | | | determined by the Government. |
| Dangladash Dural | 2 | 0.75% | 33 Years | Government. |
| Bangladesh Rural Electrification | 2 | | | |
| | | during moratorium | (Grace period | |
| Board | | | 8 years) | |
| | | period. 2% | | |
| | | during | | |
| | | repayment | | |
| 0.1 | | period | | 0 111 |
| Others | | | | Government will |
| | | | | determine |
| | | | | lending/relending |
| | | | | terms on a case-by- |
| | | _ | | case basis. |
| DCC | | Autonomous B | | 11.1 |
| DCC | 5 | 6 | 20 Years | i) These conditions |
| | | | (Grace period | should apply to |
| | | | 5 years) | area/residential |
| CCC | 5 | 6 | 20 Years | estates development |
| | | | (Grace period | schemes which |
| | | | 5 years) | serve |
| KCC | 5 | 6 | 20 Years | primarily/mainly |
| | | | (Grace period | high income urban |
| | | | 5 years) | groups. Such |
| RCC | 5 | 6 | 20 Years | schemes may be |
| | | | (Grace period | financed on 100% |
| | | | 5 years) | loan. |
| BCC | 5 | 6 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | ii) For projects with |
| | | | 5 years) | infrastructural and |
| SCC | 5 | 6 | 20 Years | commercial |
| | | | (Grace period | components, |
| | | | 5 years) | Government may |
| Pourashava | 5 | 6 | 20 Years | determine the |
| (Category-A) | | | (Grace period | proportions of grant |
| | | | 5 years) | and loan depending |
| Pourashava | 5 | 6 | 20 Years | on their relative |
| (Category-B) | - | - | (Grace period | weights in the total |
| (| | | 5 years) | project cost. |
| Pourashava | | | 20 Years | |
| (Category-C) | | | (Grace period | iii) For low income |
| | | | 5 years) | housing, |
| | | | 2 Julis) | infrastructure or |
| | | | | projects having |
| | | | | important social |
| | <u> </u> | | <u>l</u> | |

| Corporation | Interest on | Interest on | Repayment | Remarks |
|-----------------------|-------------|---------------|---------------|----------------------|
| Corporation | lending | relending | period | Kemarks |
| | (GoB loan) | (Foreign | including | |
| | (%) | loan) (%) | grace period | |
| | (,,, | | 8-00-1 P | welfare |
| | | | | implications, |
| | | | | Government may |
| | | | | consider |
| | | | | appropriate mix of |
| | | | | loans and grants. |
| Others | | | | Government will |
| | | | | determine |
| | | | | lending/relending |
| | | | | terms on a case-by- |
| | | | | case basis |
| | | | | considering the |
| | | | | above mentioned |
| | | | | terms and |
| | C 54- | 4- O 1 C | | conditions. |
| 1. Financial (Banks | C. Sta | ate Owned Con | npanies | i) For credit |
| and Others | | | | programmes |
| and Others | | | | interest rate and |
| | | | | other terms will |
| | | | | depend on general |
| | | | | interest rate policy |
| | | | | of the Bangladesh |
| | | | | Bank. |
| | | | | |
| | | | | ii) Government will |
| | | | | determine |
| | | | | lending/relending |
| | | | | terms on a case-by- |
| | | | | case basis. Terms |
| | | | | mentioned in loan |
| | | | | agreements will |
| | | | | also be considered |
| | | | | to determine |
| 2. Non-Financial Stat | e Owned Com | nanies | | relending terms. |
| Biman Bangladesh | 5 | 6 | 15 Years | Debt: equity ratio |
| Airlines Ltd. | | J | (Grace period | shall be ranged |
| | | | 2 years) | from 67:33 to 60:40 |
| BTCL | 5 | 6 | 15 Years | as may be |
| | | | (Grace period | determined by the |
| | | | 2 years) | Government. |
| Tele Talk | 5 | 6 | 15 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 2 years) | |
| DPDC | 3 | 4 | 20 Years | Debt: equity ratio |

| Corporation | Interest on lending | Interest on relending | Repayment period | Remarks |
|-------------|---------------------|-----------------------|------------------|-----------------------------------|
| | (GoB loan) | (Foreign | including | |
| | (%) | loan) (%) | grace period | |
| | | | (Grace period | shall continue |
| | | | 5 years) | 40:60. |
| DESCO | 3 | 4 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 5 years) | |
| NWPDC | 3 | 4 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 5 years) | |
| EGCB | 3 | 4 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 5 years) | |
| PGCB | 3 | 4 | 20 Years | |
| | | | (Grace period | |
| | | | 5 years) | |
| Others | | | | Lending/Relending rates for State |
| | | | | Owned Companies |
| | | | | as well as terms on |
| | | | | repayment period |
| | | | | will be determined |
| | | | | by the Government |
| | | | | on a case-by-case |
| | | | | basis. For that, |
| | | | | Government will |
| | | | | consider company's |
| | | | | capital structure |
| | | | | and its nature of |
| | | | | business. Terms |
| | | | | mentioned in loan |
| | | | | agreements will |
| | | | | also be considered |
| | | | | to determine |
| | | | | relending terms. |
| | | | 1 | remains terms. |

General Conditions:

- (1) For Aided Projects relending terms (rates of interest, repayment period, grace period etc.) will be as agreed in the negotiated Credit Agreement (if there is any).
- (2) Relending rates indicated here will not apply in case of Suppliers Credit where it could be arranged in more favourable terms and conditions. Concerned Institution/ Corporation will bear foreign exchange risk to repay the loan as per Credit Agreement.
- (3) Grace period may be varied when the gestation period of a project is longer with or without changing the repayment period. NO principal or interest payment is to

- be made during grace period. But interest will accrue during the grace period and will be taken into consideration while fixing amortization schedule.
- (4) Feasibility studies should normally be under taken by Autonomous Bodies and Public corporations out of their own resources. In appropriate cases Government may also direct such agencies to undertake feasibility studies for various projects. In the later case, funds will be provided by the Government as grant.
- (5) At present, the Lending & Relending terms are not applicable for Bangladesh Railway (BR) because it is considered as a Government Directorate and Foreign Loans are given to BR as grants from the Government. For possible future operation BR as a Corporate Body, all Government investments will be at a constant rate of return at 2% according to the Railway Act. For foreign currency loan, the rate of interest and other terms and conditions stipulated in the Credit Agreements shall apply.

(Kazi Shofiqul Azam)
Joint Secretary (Budget-1)
Finance Division
Ministry of Finance

Name of State Owned Enterprises/Autonomous Bodies/ Semi-Autonomous Bodies/States Owned Companies

BADC : Bangladesh Agricultural Development Corporation

BCC : Barisal City Corporation

BCIC : Bangladesh Chemical Industries Corporation
BEPZA : Bangladesh Export Processing Zone Authority
BERC : Bangladesh Energy Regulatory Commission
BFDC : Bangladesh Film Development Corporation

BFIDC : Bangladesh Forest Industries Development Corporation

BIWTA : Bangladesh Inland Water Transport Authority BIWTC : Bangladesh Inland Water Transport Corporation

BJMC : Bangladesh Jute Mills Corporation BPC : Bangladesh Petroleum Corporation BPDB : Bangladesh Power Development Board

BR : Bangladesh Railway

BREB : Bangladesh Rural Electrification Board BSC : Bangladesh Shipping Corporation

BSCIC : Bangladesh Small and Cottage Industries Corporation
BSEC : Bangladesh Steel and Engineering Corporation
BSFIC : Bangladesh Sugar and Food Industries Corporation
BSRTI : Bangladesh Sericulture Research and Training Institute
BTCL : Bangladesh Telecommunications Company Limited

BTMC : Bangladesh Textile Mills Corporation

BTRC : Bangladesh Telecommunication Regulatory Commission

CCC : Chittagong City Corporation

CDA : Chittagong Development Authority

DCC : Dhaka City Corporation

DESCO : Dhaka Electric Supply Company Ltd.
DPDC : Dhaka Power Distribution Company

EGCB : Electricity Generation Company of Bangladesh

EPB : Export Promotion Bureau KCC : Khulna City Corporation

KDA : Khulna Development AuthorityNHA : National Housing Authority

NWPDC : North West Power Distribution Company PGCB : Power Grid Company of Bangladesh Limited.

RCC : Rajshahi City Corporation

RAJUK : Rajdhani Unnayan Kartripakkha RDA : Rajshahi Development Authority

SCC : Sylhet City Corporation

TCB : Trading Corporation of Bangladesh WASA : Water and Sewerage Authority

16. LOCAL CURRENCY FINANCING OF PROJECTS ASSISTED BY EXTERNAL RESOURCES

(In partial modification of instructions, dated 14-01-1978 issued on 03-03-1980)

Local currency financing of aided projects is assuming greater importance with the passage of time. Project aid has traditionally covered only the foreign exchange costs of projects whereas local currency requirement for the Development Budget has been met by domestic resources as well as counterpart funds generated by food and commodity assistance and straight budgetary support. However, with emphasis on new style projects, such as in Agriculture, Rural Development, Health, Education and Population Control sectors, it has, become necessary to finance local currency as well as recurrent cost expenditure under project aid.

- 2. In Bangladesh context it is expected that food aid will gradually decline during the Second Five-year Plan. Also the flow of commodity aid will reach a plateau during the next decade and then start declining. Even though in absolute terms flow of aid may increase, there will be lesser dependence on external assistance for development activities. The decline in the levels of food and commodity aid is good for the health of the economy as it will indicate reduced consumption based on external aid and higher productivity of the domestic economy. But this will mean lower availability of counterpart funds for financing development programmes. Even with reduction in the level of various consumption subsidies, such as food and fertilizer it will not be possible to marshall sufficient resources for mounting large development programmes. Increased revenue earnings will also not be able to keep pace with the reduction in generation of counterpart funds from food and commodity aid. The gap in investment funds will have to be met by increased flow of project aid catering for both foreign and local expenditures.
- 3. External assistance does not finance any tax element of a project cost, such as customs duties and sales tax on imported equipment or income tax on personnel or firms employed in a project. Except this element, all costs of projects can be financed by external assistance. However, Development Partners insist on some participation by the recipient in every project. This is an insistence which is unnecessary when many projects in a development budget are fully financed by domestic resources. The crucial issue is the share of domestic resources in the total development budget. The guidelines issued by DAC suggest picking up of both local currency and recurrent costs of projects by Development partners. The multilateral development agencies, as a matter of policy, finance a large part of local costs of a project.
- 4. It should be our aim to obtain from Development partners full financing of a project minus tax element. Besides meeting savings investment gap, such financing has two other implications. First, this ensures that all aid money is spent on specific projects for which aid is obtained. And second, this can ensure implementation of a project according to its original schedule since no domestic resource squeeze can affect such a project.
- 5. Once local currency financing is negotiated for a project it has to be ensured that such a project follows the stipulated implementation schedule very closely. Local currency reimbursements or advances must also be claimed promptly and systematically.

In projects with local currency financing civil works or deployment of staff are equally important as procurement action in securing satisfactory disbursement level. Therefore in project with local currency financing under aid much more importance has to be attached to physical work on the project rather than on opening of letters of credit or placement of order for import. In reviewing aid utilization project with local currency financing should be specially attended. Each desk should list projects with local currency financing and slate them for special review.

- 6. In our development budget provision of funds is shown under two broad head; namely the total provision and the local currency provision. In this local currency provision which is column 10 of the ADP, no element or project aid provision is indicated. In a series of separate columns project aid provision is indicated. Here the local currency element of project aid is identified which is presently the amount appearing under column 16 of the ADP. It is important that estimate of annual expenditures are made realistically. While this is essentially the job of an executive agency, review of the estimates by ERD and IMED can impart a greater sense of realism to such estimates.
- 7. There should be three special reviews of project aid allocation and utilization during the year and special note should be taken in such reviews of provision for local currency reimbursement and actual reimbursement position. In the March Review the preparation of the ADP for the following fiscal year should be the point of attention. In June-July review the performance of the concluded year and the provisions for the new year should be carefully examined. And in December review revision of the ADP should be undertaken.
- 8. In very few cases advances are provided for local currency expenditures by the Development Partners. In such cases it is important to submit accounts expenditure for the advanced amounts. It is also necessary to book the advances for local currency expenditure under account IV-B of Bangladesh Bank as soon as the advances are adjusted. In most other cases local currency expenditure is met by release of funds by the Government. The detailed procedure for this purpose has been laid down by the Finance Division. It is important to ensure that claims for reimbursements are submitted promptly and adequately. Because otherwise a project will not get sufficient fund to spend. Submission of reimbursement claims is a matter demanding special monitoring by individual desks.
- 9. Foreign Aid Accounts Branch will consolidate a statement on local currency reimbursement estimates thrice a year-once after the June-July Review then after December review and again after March Review. The statements will show disbursements for individual projects and will be arranged both Development Partners wise and executing agency wise. The Development Partners wise disbursement statement will be furnished to Finance Division, Bangladesh Bank and Planning Commission. The executing agency wise statement will be furnished to all executing agencies. The executing agency will monitor performance against estimates on a monthly basis. A quarterly statement on reimbursement claims and receipts and advances adjusted will be furnished to ERD and Finance Division. In the ERD this statement will be received by FABA Branch who will immediately pass the information to relevant desks.

17. DISBURSEMENT OF PROJECT AID

(Incorporates Instructions dated 14-1-78 and 3-3-80)

(Modified in light of the comments of FABA Branch, ERD dated 01 July 2007)

Project aid generally covers expenditure incurred in foreign exchange for goods and services required for a project. Import of capital goods, construction materials and various other commodities is financed by project aid. Payment to expatriate as also local consultants and contractors is made under project aid. In many cases a part of local currency expenditure is also covered by project aid. Costs of civil works, staff salaries or procurement of locally available or locally produced supplies are paid by project aid. Disbursement of project aid, therefore, involves two different procedures-one for foreign exchange expenditure and another for local currency expenditure.

- 2. In the ADP in columns 5 and 17 project aid disbursement is estimated. Column 5 provides total project aid (including Reimbursible Project Aid in the parenthesis below) for the particular project and columns 17 provides current fiscal allocation of project aid (including Reimbursible Project Aid in the parenthesis below). Budget estimates of project aid disbursement may be exceeded if an executing agency is in a position to perform better without demanding additional provision of funds under column 17. Such additional expenditure under project aid may be undertaken by the executing agencies under intimation to Planning Commission and Economic Relations Division in case of foreign exchange expenditure. In case of local currency expenditure however, procedures for utilization/release of reimbursible project aid as laid down in Finance Division's letter No. MFD-IBT.2M(1)/77-78/104(50) dated 18-1-1979 should be followed. In either case it should be ensured by the executing agency and the ERD that provision of sufficient funds exists in the pipeline of aid. ERD should strongly support the executing agencies for additional allocation of taka funds if the possibility of corresponding project aid utilization is significantly higher. Such proposals must, however, be submitted by the executing agencies before the finalization of the revised ADP.
- 3. Quite often project aid may include elements of commodity aid for the imports of spares, raw materials etc. Such commodity imports may be treated as project aid when they are required for the start-up of the project. However, elements of commodity aid as part of a BMR project or of a project for which commodity imports are not essentially required should be treated separately and be shown as commodity aid requiring the executing agency to deposit counterpart funds. In such cases separate allocation letter should be issued by ERD bifurcating the project aid and commodity aid components.
- 4. In March each year Foreign Aid Budget and Accounts Branch will prepare a list of aided projects with estimates of disbursement including local currency reimbursement component for both the current as well as the following fiscal years. In June FABA Branch will provide an estimate of project aid disbursement during the year that is coming to a close. In July/August ADP provisions for project aid disbursement will be reviewed with all executing agencies. In September FABA Branch will prepare a statement on actual disbursement of project aid during the previous fiscal year and another on estimates for the current fiscal year. In December all desks will make their review of disbursements of project aid for the current fiscal year and prepare the first

estimates for disbursement during the following fiscal year. In quarterly desk reviews performance and projection will always be scrutinized specially in respect of local currency reimbursement.

A. Procedure for Foreign Currency Expenditure under Project Aid.

- 5. Project aid usually covers payment of goods and services in foreign exchange. Various Development Partners follow various procedures for disbursement of project aid required for payment of goods and services in foreign exchange. Some Development Partners like U.K. or Canada make goods and services available through their own channels so that disbursements are made by them entirely. Most others authorize establishment of letters of credit in favour of suppliers or give a letter of commitment to the suppliers. In such cases disbursement takes place on presentation of shipping documents or service bills duly passed by the executing agency. Here also the responsibility of the executing agency is limited and the Development Partners release funds directly.
- 6. In a third kind as in the case of Saudi Arabia the executing agency is required to open the letter of credit and then funds are placed at the disposal of the recipient government to meet the obligation of the L.C. In such cases ERD has to arrange with Bangladesh Bank the exact procedure of opening letters of credit and securing transfer of funds to meet payment obligations.
- 7. There is another manner of project aid disbursement for foreign currency expenditure. In this case project aid is not immediately available either to confirm an L.C or authorise its establishment. Here there is a need for bridge financing. For a period of time financing has to be provided by the recipient and it is reimbursed later by the Development Partner. This may happen for many reasons. For example an aid may not become effective because of certain formalities or an aid agreement cannot be signed for some reasons. In such a case the executing agency has to approach ERD for Retrospective Financing in case of World Bank.
- 8. In recommending a case of bridge financing ERD has to ensure the following:
 - (a) There is sufficient provision of project aid in the ADP in column 17. If there is no provision at all in the ADP concurrence of Planning Commission to the inclusion of the project in the ADP must be obtained by the requesting agency.
 - (b) Project aid has been committed and reimbursement will be forthcoming within a period of not more than twelve months. In most cases it will be desirable to obtain Development Partners concurrence to bridge financing, at least informally.
 - (c) The expenditure for which bridge financing *is* solicited is a permissible expenditure under project aid and reimbursement of such expenditure has been agreed to by the Development Partners either in the aid document or informally.

9. The recommendation of ERD will be made to the Finance Division for release of a specific amount of foreign exchange for the project for specified work. Finance Division will then authorise Bangladesh Bank to provide interest free foreign exchange loan to the agency needing bridge financing. At the same time Bangladesh Bank will be authorized to appropriate that part of project aid which is received in reimbursement of the expenditure incurred under bridge financing to liquidate the loan given by the Bank. Detailed instruction on bridge financing which are under issue by Finance Division are attached.

B. Procedure for Local Currency Expenditure under Project Aid.

- 10. Most local expenditure financed by external assistance is required to be claimed after the expenditure has been incurred. In very few cases advance payment is made by the Development Partners and it is necessary to adjust the advances in those limited cases.
- 11. In the ADP of 1978-79 for the first time a column was introduced to indicate the local cost financing under project aid. This was column 15 in that year and now it is column 17 of the ADP. A realistic estimate has to be made before indicating a figure under this column and this can be done only with reference to the physical work programme for the project.
- 12. A procedure has been laid down by the Finance Division for utilization of provision appearing under column 17 of the ADP. The relevant instruction *MFD-I/Bt-1/2(m)77-78/*104(50) dated 18-1-1979 is reproduced herewith. Release of funds under this column is allowed in order to enable an agency to incur the expenditure and then claim reimbursement. It is very important that reimbursement claims are made immediately after incurring an expenditure; otherwise this will tantamount to *deficit* financing with all its evil effects. Also failure in claiming reimbursements timely will reflect poor disbursement performance even though the actual performance may be much better.
- 13. Release of funds under column 17 for the first two quarters is very simple. If the scheme is approved and adequate provision exists under column 17, it receives release by approaching Finance Division. For unapproved schemes or for schemes without adequate provision under column 16, clearance is required to be obtained from Planning Commission and or from ERD. How the clearance can be given by ERD is detailed in instruction No.Cord-V/Release-93/80 of 6th June 1980, which is reproduced herewith. Before any release can be made for the third quarter evidence of submission of reimbursement claim must be produced by an executing agency. For an on-going project such evidence is required to be submitted for release of funds in the very first quarter.
- 14. Reimbursement under project aid can also be received in projects or programmes not covered in the ADP. For example, a credit programme for small industries or agriculture may be administered by the banking system. Even though government may borrow the funds for such a programme, it will all be utilized by the banks on reimbursible basis. In such cases in the revenue budget both the receipt and the debit will be indicated. The user agencies will undertake the programmes with their own resources and then file reimbursement claims with the Development Partners. Reimbursements received by Bangladesh Bank will be directly passed on to the user agencies. Finance Division will authorise Bangladesh Bank to take such action in the specific cases of project aid that reimburses expenditure incurred in connection with aided projects not

included in the ADP. Instructions in this respect issued by Finance Division are reproduced herewith.

- 15. Every agency is required to submit quarterly statements on reimbursement claimed and received to ERD and Finance Division for each project. Reimbursements received are deposited in Account No. 4 B in the Bangladesh Bank to show it separately from counterpart funds generated by commodity aid. A fortnightly statement on reimbursement will be furnished by the Bangladesh Bank to ERD.
- 16. The Foreign Aid Budget and Accounts Branch in the ERD will receive the quarterly statements on reimbursement from the executing agencies. It will pass on the information immediately to the concerned desk, who are required to periodically monitor the local cost reimbursement situation.

18. Procedure for utilization/release of Reimbursable Project Aid (RPA)

GOVERNMENT OF THE PEOPLE'S REPUBLIC OF BANGLADESH MINISTRY OF FINANCE Finance Division Development Wing

No. MFP (FD)/Dev)-1/Bt-1/Misc-63/82-83/326(300) Date: 30th May 1983

MEMORANDUM

Subject: Procedure for utilization/release of reimbursable Project Aid in respect of development schemes in the ADP under different Government Agencies/Autonomous and semi-Autonomous bodies.

Some of the Development Partners, specially IDA and the Asian Development Bank, have agreed to pre-finance part of the reimbursable project aid for creating Revolving Fund or Special Accounts for projects on a selective basis. The following procedures shall be followed in respect of such funds in partial modification of this Division's Circular Letter Nos. MFD-1/BT-1/2M(1)/77-78/104(50), dated 18th January 1997 and MFD-I/BT-I/Misc.-1 (25)/80- (81/431)(100), dated 16th May 1981.

2. Authorisation for RF/SA:

In the beginning of the financial year or wherever possible earlier, the Administrative Ministry in consultation with the Finance Division will prepare a list of projects for which Special Account or Revolving Fund will be authorised. The GO authorizing such Accounts/ Funds shall also determine the size of the fund, procedure for its operation, items which are eligible for expenditure from Revolving Fund, etc.

3. Government Agencies with cheque issuing authority.

Government Departments/Agencies such as, the Public Works Departments, Roads and Highways Department etc. have authority, to issue cheques. As such they do not need any revolving fund. However where the Development Partner agrees to prefinance expenditures to be met eventually from reimbursable project aid, the executing agency shall maintain separate accounts for each of the eligible projects. In accordance with the decision regarding the size of fund and the mode for its replenishment, the executing agency may request Development Partner at such intervals as has been agreed upon for transfer from the Credit Account to GOB such amounts as will keep the SA/RF at the agreed level.

4. Government Departments without cheque issuing authority:

Government Departments/Agencies without authority for issuing cheques may need revolving funds for projects identified in accordance with para 2 above. Money released for revolving funds shall be maintained in P/L Account with the local treasury in accordance with the financial and treasury rules. The Government will release for "replenishment of the revolving fund on quarterly basis amounts equivalent to sums refinanced by the Development Partner in respect of the projects. More frequent

replenishments may be made subject to the rate of utilisation and the concurrence of the Development Partner for commensurate pre-financing.

5. Autonomous/Semi-Autonomous Bodies:

The Government shall release funds for the SA/RF of core projects to which (a) these facilities have been extended on a quarterly basis of at such intervals as GOB may determine in consultation with the Development Partner, G.O. issued by the Administrative Ministry should specify the project and the revolving fund and the headquarter for corporations/autonomous bodies shall promptly pay to the project the stated amounts. The Project Director shall maintain separate accounts for each of these projects and shall submit to the Development Partner request for transferring from Credit Account to GOB such amounts as would keep the RF/SA at the level agreed upon, the Development Partner shall intimate to, GOB the amounts transferred in response to the request and on receipt of such transfer GOB shall release an equivalent amount for RF/SA.

6. General Conditions:

- (i) Currently prior concurrence of Planning Commission is not required for releasing funds for SA/RF. If the procedure with regard to core/approved projects is changed at any subsequent time, GOB shall review the procedure SA/RF and shall determine an appropriate procedure.
- (ii) Prior concurrence of the Planning Commission is required for release of funds for unapproved projects. Generally, SA/RF facilities should not be extended to such projects; but if GOB agrees that RF/SA may be extended to some of these projects also, funds for SA/RF shall be released subject to prior clearance of the Planning Commission (P&A Division) and prefinancing by the Development Partner.
- (iii) Separate GO shall be issued for release of funds for SA/RF by the Administrative Ministries with copies endorsed to the Finance Division.
- (iv) The total amount released during a financial year for as project inclusive of the amount released for RF/SA shall not exceed the budgetary allocation. However, where release is made on quarterly basis, release in any particular quarter inclusive of the release for RF/SA may exceed the amount that would have been otherwise released but for the SNRF (one-forth of the allocation/allotment for the FY).
- (v) Where DSL is adjusted by deduction at source, such adjustment shall be made against normal quarterly release and not against the release for SNRF upto the third quarter. At the fourth quarter release, however, DSL shall be adjusted against the total release inclusive of release for RF/SA during the year.

- (vi) The executing agency and the authorised officer of the project shall continue to be responsible for timely submission of reimbursement claims to the Development Partner. The reimbursement claims shall be submitted promptly according to the time schedule agreed upon by GOB and Development Partner or as determined by GOB as the case may be. Frequent default or delay to submit claims by an agency or projects administration would justify withdrawal of the facilities from that agency/project.
- (vii) The operation of SA/RF shall be reviewed by GOB from time to time. If it is found that any agency or project administration has not managed the SA/RF satisfactorily or with due financial prudence and that withdrawal of such facilities shall not affect the implementation of the project materially GOB may withdraw these facilities from such projects.

Signed/DR. A. K. M. MASIHUR RAHMAN
Joint Secretary (Dev)
Finance Division.

19. Procedure for Operation of Dollar Special Account (DOSA)

(ডসা (DOSA) তহবিল পরিচালনা সংক্রান্ত প্রজ্ঞাপন)

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার অর্থ মন্ত্রণালয়, অর্থ বিভাগ উন্নয়ন শাখা-১

নংঃ অম/অতি/উঃগঃশাঃ/১০/৯২/৮৪(১০০)

তারিখঃ ০৫/০১/১৯৯৩ ইং

বিষয়ঃ আই,ডি,এ, ক্রেডিট ২৩৯৩-বিডি'র অধীনে বাস্তবায়নাধীন কারিগরী সহায়তা প্রকল্প-৬ (টি,এ-৬) এর জন্য ডলার স্পেশাল একাউন্ট (ডসা) পরিচালনা পদ্ধতি।

ডলার বিশেষ হিসাব পদ্ধতি পরিচালনা ও অর্থ ব্যবহারের নিয়মাবলীঃ

- (K) আই, ডি, এ, ক্রেডিট ২৩৯৩-বিডি'র অধীনে ডলার স্পেশাল একাউন্ট (ডসা) নামে বাংলাদেশ ব্যাংকে ইউ এস ডলারে একটি বিশেষ হিসাব খোলা হইবে এবং আলোচ্য প্রকল্পটি (টি,এ-৬) চালুকালীন সময় পর্যন্ত ইহা কার্যকর থাকিবে।
- (L) ডলার বিশেষ হিসাব আই.ডি.এ প্রারম্ভিক জমাসহ পনর্ভরণের ভিত্তিতে অর্থ জমা করিবে।
- (M) আই, ডি, এ, বাংলাদেশ ব্যাংকের বিশেষ ডলার হিসাবে সরাসরি বৈদেশিক মুদ্রা জমা দেওয়ার সাথে সাথে বাংলাদেশ ব্যাংক, প্রকল্প পরিচালক, অসবি এবং অর্থ মন্ত্রণালয়ের উন্নয়ন অনুবিভাগকে অবহিত করিবে।

অর্থ ব্যবহারের নিয়মাবলীঃ

- (K) কারিগরী সহায়তা প্রকল্প-৬ এবং উপ-প্রকল্পসমূহ এডিপি/সংশোধিত এডিপিতে ঋণচুক্তি নং ২৩৯৩ বিডিসহ প্রতিফলিত হইবে।
- (L) অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের প্রকল্প পরিচালকের নিকট অথরাইজেশন জারীর প্রস্তাব প্রেরণের সময় উপপ্রকল্পের সংশ্লিষ্ট প্রশাসনিক মন্ত্রণালয়ের খরচের বিভাজন উল্লেখপূর্বক প্রকল্প সাহায্য অংশের বৈদেশিক মুদা ও টাকাংশ স্পষ্টভাবে উল্লেখ করিবে। উপ প্রকল্পের প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় হইতে প্রাপ্ত বিভাজনের ভিত্তিতে অথরাইজেশন জারীর জন্য প্রকল্প পরিচালক (অসবি), অর্থ বিভাগকে অনুরোধ করিবেন। প্রয়োজনবোধে সামগ্রিক বাজেট বরাদ্দের মধ্যে প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় এই বিভাজন সংশোধন করিতে পারিবে। তবে অসবিকে অবগত করাইতে হইবে।
- (M) প্রকল্প পরিচালক হইতে প্রাপ্ত তথ্যের ভিত্তিতে অর্থ বিভাগ প্রতি অর্থ বছরে উপ-প্রকল্পসমূহের বিপরীতে উন্নয়ন বাজেটে প্রদর্শিত প্রকল্প সাহায্য হিসাবে দেখানো বরাদের অথরাইজেশন জারী করিবে।
- (N) সংশ্লিষ্ট অর্থ বছরের বাজেট বরাদ্দের তুলনায় অতিরিক্ত অর্থ ব্যয়ের প্রয়োজন হইলে উপ-প্রকল্প পরিচালককে অবহিত করিবেন। তদনুযায়ী সংশোধিত অথরাইজেশন জারী করিবার জন্য প্রকল্প পরিচালক অর্থ বিভাগকে অনুরোধ করিবেন।
- (O) অনুমোদিত প্রকল্পের ক্ষেত্রে অথরাইজেশন জারীর পূর্বে পরিকল্পনা কমিশনের সম্মতি লাগিবে।
- (P) অর্থ বিভাগ হইতে প্রকল্পের বিপরীতে অথরাইজেশন জারী না হওয়া পর্যন্ত প্রকল্প পরিচালক/ বাস্তবায়নকারী কর্তৃপক্ষ ডসা হইতে কোন অর্থ ব্যয় করিতে পারিবেন না।
- (Q) যে বিলের বিপরীতে ডসা হিসাব হইতে অর্থ পরিশোধ করা হইবে তাহাতে উপ-প্রকল্প বাস্তবায়নকারী কর্তৃপক্ষের প্রত্যয়ন থাকিতে হইবে। প্রতিটি বিলের উপ প্রকল্প কর্তৃপক্ষ উপ প্রকল্পের জন্য নির্দিষ্ট পৃথক লেজার সংরক্ষণ করিবেন।

- (R) বাংলাদেশ ব্যাংক ডসা সংক্রান্ত আদান প্রদানের মাসিক প্রতিবেদন প্রকল্প পরিচালক, বিশ্বব্যাংকের স্থানীয় অফিসে পরবর্তী মাসের ২য় সপ্তাহে প্রেরণ করিবে। এই প্রতিবেদনের উপর ভিত্তি করিয়া প্রকল্প পরিচালক পরবর্তীতে বিশ্বব্যাংকের নিকট পুনর্ভরণ দাবী করিবেন। প্রতি বছর ৩০ জুন উপপ্রকল্পওয়ারী খরচের একটি প্রতিবেদন প্রকল্প পরিচালক সংশ্লিষ্ট সি,এ,ও কে প্রদান করিবেন যাহা সংশ্লিষ্ট সিএও সরকারী হিসাবে প্রতিফলন করিবেন।
- (S) 'ডসা' হইতে বৈদেশিক মুদ্রা ও টাকাংশে ব্যয় করা যাইবে তবে টাকাংশ ব্যয়ের সময় চলতি বিনিময় হার অনুযায়ী ডলারকে টাকায় রূপান্তর করিতে হইবে।
- (T) অনুমোদিত বিল পরিশোধের জন্য ১৫ দিন পূর্বে উপ প্রকল্প বাস্তবায়নকারী কর্তৃপক্ষ প্রকল্প পরিচালকের নিকট বিল পেশ করিবেন। প্রকল্প পরিচালক তাহা পরীক্ষা করিয়া প্রয়োজনীয় অর্থ পরিশোধের জন্য বাংলাদেশ ব্যাংকে প্রেরণ করিবেন। প্রকল্প পরিচালক বাংলাদেশ ব্যাংকে প্রেরণ করিবেন। প্রকল্প পরিচালক বাংলাদেশ ব্যাংকে প্রেরিত পত্রের অনুলিপি সংশ্লিষ্ট উপ প্রকল্প কর্তৃপক্ষের নিকট প্রেরণ করিবেন।
- (U) বিল পরিশোধের পরে মাসিক ভিত্তিতে প্রকল্প পরিচালক পুনর্ভরণের জন্য উন্নয়ন সহযোগীদের নিকট মার্কিন ডলারে দাবী পেশ করিবেন।
- (V) 'ডসা'র মাধ্যমে সম্পদিত সকল খরচাদি ও লেনদেন সংশ্লিষ্ট অনুমোদিত প্রকল্প ছক ঋণচুক্তি/প্রকল্প চুক্তিতে বর্ণিত শর্তাদি অনুযায়ী করিতে হইবে।
- (W) সরকারের বৈদেশিক সাহায্যপুষ্ট প্রকল্প অডিট দপ্তর কর্তৃক ডসা এবং এর অধীনে পরিচালিত কারিগরী সহায়তা প্রকল্প-৬ এর উপ প্রকল্পসমূহ প্রতি বছর অডিট করিতে হইবে। অডিট হইয়াছে এই মর্মে অর্থ বিভাগকে এবং আই,ডি,এ-কে অবহিত করিতে হইবে।
- (X) কারিগরী সহায়তা প্রকল্প-৬ এর সকল বর্তমান ও ভবিষ্যুৎ উপ প্রকল্পের জন্য ডসা পদ্ধতি কার্যকর থাকিবে।
- (Y) দাতা সংস্থা, অর্থ বিভাগ এবং অসবি হইতে কারিগরী সহায়তা প্রকল্প-৬ সংক্রান্ত যে সকল আদেশ জারী করা হইবে প্রকল্প পরিচালক তাহা উপ প্রকল্প বাস্তবায়নকারী কর্তৃপক্ষকে অবহিত করিবেন।

স্বা/-এম শরীফ উল্যাহ যুগম সচিব (উন্নয়ন) অর্থ বিভাগ

20. Procedure for Operation of SAFE Account for Projects which have RPA ((পুনর্ভরণযোগ্য প্রকল্পসমূহের জন্য সেফ তহবিল পরিচালনা পদ্ধতি)

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার অর্থ মন্ত্রণালয় অর্থ বিভাগ উন্নয়ন উইং

নং-অম/অবি/উঃগঃশা ১৬/৯৩/২৩৪ ০৫/০৮/১৯৯৩ ইং তারিখঃ

বিষয়ঃ পুনর্ভরণযোগ্য প্রকল্পসমূহের জন্য সেফ তহবিল পরিচালনা পদ্ধতি।

পুনর্ভরণযোগ্য প্রকল্পসমূহের জন্য সেফ তহবিল পরিচালন এবং বাংলাদেশ ব্যাংকের সাব-সেফ একাউন্ট হইতে বাণিজ্যিক ব্যাংকে রক্ষিত সংশ্লিষ্ট প্রকল্পের একাউন্টে স্থানীয় মুদ্রায় অর্থ স্থানান্তরের নিয়মাবলীঃ

- ক. যে সব পুনর্ভরণযোগ্য প্রকল্পের জন্য এখন পর্যন্ত বাণিজ্যিক ব্যাংকে হিসাব খোলা হয় নাই এই ধরণের প্রকল্পের হিসাব খোলার জন্য প্রকল্প কর্তৃপক্ষ প্রশাসনিক মন্ত্রণালয়ের মাধ্যমে ডিসিএ-এর অনুলিপিসহ অর্থ বিভাগের উন্নয়ন উইং এর নিকট প্রস্তাব করিবে। অর্থ বিভাগ প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় কর্তৃক প্রস্তাবিত যেকোন একটি ব্যাংককে মনোনীত করিবে। প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় বিভিন্ন প্রকল্পের জন্য ভিন্ন ব্যাংকের নাম প্রস্তাব করিবে। নির্ধারিত ব্যাংকের শাখা নির্ধারণ প্রকল্প কর্তৃপক্ষের সুপারিশ অনুযায়ী ব্যাংকের প্রধান কার্যালয় স্থির করিবে।
- খ. কেবলমাত্র স্থানীয় মুদ্রায় খরচ নির্বাহের জন্য প্রয়োজনীয় অর্থ (অর্থাৎ টাকা) বাংলাদেশ ব্যাংক হইতে বাণিজ্যিক ব্যাংকে রক্ষিত সংশ্লিষ্ট প্রকল্প একাউন্টে স্থানান্তর করা যাইবে।
- গ. বাংলাদেশ ব্যাংকের সাব সেফ একাউন্ট হইতে বাণিজ্যিক ব্যাংকে রক্ষিত সংশ্লিষ্ট প্রকল্প একাউন্টে প্রারম্ভিকভাবে স্থানান্তরযোগ্য অর্থের পরিমাণ উন্নয়ন সহযোগী কর্তৃক ঐ প্রকল্পের জন্য প্রদত্ত প্রারম্ভিক জমার বেশী হইবে না।
- ঘ. পরবর্তী কালে স্থানান্তরযোগ্য অর্থের পরিমাণ ঐ প্রকল্পের জন্য উন্নয়ন সহযোগী কর্তৃক পুণর্ভরণযোগ্য অর্থের বেশী হইবে না। এই শর্ত সকল প্রকল্পের জন্য সমভাবে প্রযোজ্য হইবে।
- ৬. চলতি অর্থ বৎসরে সর্বমোট স্থানান্তরযোগ্য অর্থের পরিমাণ কোন মতেই বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচী উন্নয়ন বাজেটে সংশ্লিষ্ট প্রকল্পের জন্য পুণর্ভরণযোগ্য প্রকল্প সাহায্য খাতে বরাদ্দকৃত অর্থের বেশী হইবে না। (যতক্ষণ পর্যন্ত সংশোধিত বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচী অনুযায়ী উহার হেরফের হইবে না) তবে বিশেষ ক্ষেত্রে এবং অর্থ বিভাগের পুর্বানুমোদনক্রমে যদি কোন দপ্তর/সংস্থা কোন নির্দিষ্ট অর্থ বৎসরের বরাদ্দকৃত অর্থের মধ্যে সীমিত রাখিয়া নিজস্ব উৎস হইতে ব্যয়্ম নির্বাহ করিয়া উক্ত অর্থ বৎসরে দাতার নিকট হইতে পুনর্ভরণের জন্য দাবী পেশ করেন এবং দাতা যদি ঐ একই বৎসরে পুনর্ভরণের পরিবর্তে পরবর্তী অর্থ বৎসরে উক্ত অর্থ পুণর্ভরণ করেন তবে প্রকল্প কর্তৃপক্ষের হিসাবে স্থানান্তরের পূর্ববর্তী বৎসরের বাজেট বরাদ্দই এই উদ্দেশ্যে বাজেট বরাদ্দর প্রয়োজন হইবে এবং এবং এই পরিমাণ অর্থের জন্য পরবর্তী বৎসরের বাজেটে বরাদ্দের প্রয়োজন হইবে না। তবে এরূপ ব্যয় এবং অর্থ স্থানান্তরের জন্য অর্থ বিভাগের পূর্বানুমোদন অবশ্যই প্রয়োজন হইবে।

- চ. যেহেতু সেফ-তহবিল প্রকল্প সাহায্য/পুণর্ভরণযোগ্য প্রকল্প সাহায্যের একটি অগ্রিম অংশ যেহেতু সংশ্লিষ্ট প্রকল্পের অনুকূলে বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচী/উন্নয়ন বাজেটের পুনর্ভরণযোগ্য প্রকল্প সাহায্য বরাদ্দ হইতে প্রশাসনিক মন্ত্রণালয়/বিভাগ কর্তৃক অর্থ বিভাগের পূর্বসম্মতি ব্যাতিরেকে কোন অর্থ অবমুক্ত করা যাইবে না।
- ছ. বাংলাদেশ ব্যাংক হইতে প্রকল্প একাউন্টে স্থানান্তরকৃত অর্থ পুণরাদেশ না দেওয়া পর্যন্ত সংশ্লিষ্ট প্রকল্প ছক/উন্নয়ন ঋণ চুক্তি অনুযায়ী খরচ নির্বাহের জন্য এই একাউন্টে রক্ষিত অব্যয়িত অর্থের পরিমাণ সম্পর্কে অর্থ বিভাগ, বাংলাদেশ ব্যাংক, বহিঃ সম্পদ বিভাগ ও প্রশাসনিক মন্ত্রণালয়কে অবহিত করিবেন।
- জ. উন্নয়ন সহযোগীর নিকট হহতে প্রাপ্ত বাংলাদেশ ব্যাংকের সাব-সেফ একাউন্টে রক্ষিত সেফ-তহবিলে অব্যয়িত অর্থ (অর্থ বিভাগের অথারাইজেশন সাপেক্ষে একাউন্টে স্থানান্তরিত না হইলে) ঐ একাউন্টে জমা থাকিবে।
- ঝ. বাংলাদেশ ব্যাংকের সাব-সেফ একাউন্ট হইতে স্থানান্তরকৃত সেফ তহবিলের অর্থ প্রকল্প বাস্তবায়নকারী সংস্থা কেবল মাত্র সংশ্লিষ্ট প্রকল্প/উন্নয়ন ঋণ চুক্তির অনুযায়ী গ্রহনযোগ্য ব্যয়সমূহ (Admissible Ligible Expenditure) নির্বাহের জন্য (অর্থাৎ যে সকল ব্যয় উন্নয়ন সহযোগী কর্তৃক পুণর্ভরণযোগ্য) টাকায় খরচ করিতে পারিবেন।
- ঞ. প্রকল্প বাস্তবায়নকারী সংস্থা বৈদেশিক মুদ্রার প্রয়োজন অনুভব করিলে তাহাদের অনুমোদিত ব্যাংকের মাধ্যমে বাংলাদেশ ব্যাংকে উহা স্থানান্তরের জন্য অনুরোধ করিবেন। তবে এ ধরণের অনুরোধ সংশিষ্ট সিএও কর্তৃক পৃষ্ঠাংকন করিতে হইবে। বাংলাদেশ ব্যাংক সিএও-এর নিকট অনুরোধ প্রাপ্তির পর সংশ্লিষ্ট ব্যাংকে প্রয়োজনীয় বৈদেশিক মুদ্রা স্থানান্তর করিবেন। সাব সেফ একাউন্ট হইতে বহনযোগ্য ব্যয়সমূহ বৈদেশিক মুদ্রায় নির্বাহের জন্য সমপরিমাণ টাকা জমা দান পদ্ধতি এ ক্ষেত্রে বাংলাদেশ ব্যাংক কর্তৃক রেহাই দেওয়া হইবে এবং উক্ত লেনদেনের ক্ষেত্রে আনুষ্ঠানিক বৈদেশিক মুদ্রা বিনিময় হার (Official Rate of Exchange) প্রযোজ্য হইবে।
- ট. যে সকল সরকারী দপ্তর/সংস্থার বাংলাদেশ ব্যাংকের রক্ষিত সরকারী একাউন্টের অনুকূলে চেক ইস্যুর ক্ষমতা রহিয়াছে তাহাদের বাণিজ্যিক ব্যাংকে কোন একাউন্ট (সেফ-তহবিল সদ্যুবহারের জন্য) খুলিবার প্রয়োজন নাই। এই সকল দপ্তর/সংস্থা বাংলাদেশ ব্যাংকে রক্ষিত তাহাদের স্ব স্ব একাউন্টের মাধ্যমে সেফ-তহবিল পরিচালনা করিতে পারেন। তবে এই সকল দপ্তর/সংস্থা পৃথক হিসাব বহি, রেকর্ড ইত্যাদি সংরক্ষণ করিবেন যাহাতে সেফ-তহবিল সংক্রান্ত খরচাদি সংস্থার অন্যান্য খরচাদি হইতে পৃথকভাবে চিহ্নিত করা যায়।
- ঠ. সেফ-তহবিল সংক্রান্ত অর্থ কেবলমাত্র বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচীতে অনুমোদিত উন্নয়ন প্রকল্পের ক্ষেত্রে স্থানান্তর করা যাইবে। অননুমোদিত উন্নয়ন প্রকল্পের ক্ষেত্রে সংশ্লিষ্ট দপ্তর/সংস্থা প্রশাসনিক মন্ত্রণালয়/বিভাগ এবং পরিকল্পনা কমিশনের সম্মতি গ্রহণপূর্বক অর্থ বিভাগে সেফ-তহবিল এর অর্থ স্থানান্তরের প্রস্তাব পেশ করিতে পারেন।
- ড. বাংলাদেশ ব্যাংক তার সাব সেফ-একাউন্ট সংক্রান্ত একটি মাসিক প্রতিবেদন প্রতিটি প্রকল্প বাস্তবায়নকারী সংস্থা এবং সংশ্লিষ্ট সিএও-এর নিকট প্রতিমাসের প্রথম সপ্তাহে প্রেরণ করিবেন। এই মাসিক প্রতিবেদন সংস্থাকে সেফ-তহবিল এর খরচকৃত অর্থ পুনর্ভরণের জন্য দাতা সংস্থার নিকট দাবী পেশে (Reimbursement Claim) সাহায্য করিবে।
- ঢ়. প্রকল্প বাস্তবায়নকারী সংস্থা সেফ-তহবিল এর অর্থ উত্তোলনের অব্যবহিত পরেই খরচ করিবেন এবং খরচের পরপরই উহা পুনর্ভরণের জন্য দাতা সংস্থার নিকট দাবী পেশ করিবেন। সেফ

তহবিল হইতে একত্রে প্রকল্পের তিন মাসের স্থানীয় মুদ্রায় খরচের বেশী অর্থ টাকায় স্থান্তান্তর করা যাইবে না।

- ণ. বাংলাদেশ ব্যাংক (হিসাব বিভাগ) প্রতিটি সাব-সেফ একাউন্টের ত্রৈমাসিক রিপোর্ট যথাক্রমে ৭ই জানুয়ারী এবং ৩০ শে জুনের মধ্যে অর্থ বিভাগ (উন্নয়ন উইং), বহিঃ সম্পদ বিভাগ (বৈদেশিক সাহায্য বাজেট শাখা) সংশ্লিষ্ট সিএও এবং মন্ত্রণালয় /বিভাগে প্রেরণ করিবেন। সরকারী দপ্তর/সংস্থা উন্নয়ন প্রকল্প বাস্তবায়নের জন্য সাব সেফ একাউন্ট হইতে সেন্ট্রাল একাউন্টে স্থানান্তরকৃত যাবতীয় সেফ তহবিল-এর এবং সেফ একাউন্ট হইতে ব্যয়িত বৈদেশিক মুদ্রা খরচাদির প্রকৃত ও সঠিক হিসাবে সংরক্ষণের জন্য সংশ্লিষ্ট প্রকল্প কর্তৃপক্ষ দায়ি থাকিবেন। উপরে বর্ণিত পদ্ধতি অনুযায়ী বাংলাদেশ ব্যাংক হইতে প্রাপ্ত হিসাবের সহিত সংশ্লিষ্ট সিএও তাহার নিকট রক্ষিত হিসাব মিলাইবেন। ৭ই এপ্রিল তারিখের মধ্যে প্রেরিত বাংলাদেশ ব্যাংকের রিপোর্ট সংশ্লিষ্ট সংস্থা/দপ্তর, প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় / বিভাগ ও পরিকল্পনা কমিশনকে ঐ প্রকল্পের সংশোধিত বার্ষিক উন্নয়ন কর্মসূচীতে প্রতিফলনের জন্য প্রকল্প সাহায্য/পুণর্ভরণযোগ্য প্রকল্প সাহায্য (টাকাংশ) এর সংশোধিত বরাদ্দ চাহিদা পরীক্ষায় সাহায্য করিবে।
- ত. বাংলাদেশ ব্যাংক কর্তৃক প্রেরিত ৩০শে জুন এর ত্রৈমাসিক রিপোর্ট অনুযায়ী সংশ্লিষ্ট প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় /বিভাগ সঠিক হিসাব নিরূপন এর জন্য প্রতি (অর্থ) বছরের ৩০ শে জুন তারিখে সমগ্র অর্থ বৎসরে সেফ তহবিলের অর্থ প্রাপ্তি ও খরচ সম্পর্কীয় একটি সমন্বয় আদেশ (Adjustment GO) জারী করিবেন। প্রশাসনিক মন্ত্রণালয় /বিভাগ কর্তৃক প্রতিটি প্রকল্প এর জন্য চলতি অর্থ বৎসরে সেফ একাউন্ট হইতে স্থানান্তরিত তহবিলের প্রকৃত প্রতিফলনপূর্বক Adjustment GO যথাসময়ে জারীর বিষয়টি সংশ্লিষ্ট সিএও নিশ্চিত করিবেন।
- থ. সেফ তহবিল সংক্রান্ত সকল খরচাদি এবং লেনদেন সংশ্লিষ্ট অনুমোদিত প্রকল্প ছক/উন্নয়ন ঋণ চুক্তি/প্রকল্প চুক্তিতে বর্ণিত শর্তাদি সাপেক্ষে করিতে হইবে। এতদসংক্রান্ত অর্থ বিভাগের ২৯/০৫/১৯৮৫ইং তারিখের এমএফডি-১/বিটি-১/১এ-২৬/৮৪-৮৫/ত৭৬/১(১০০) নম্বর স্মারকে বর্ণিত শর্তাদিও যথায়থ ভাবে পালন করিতে হইবে।
- দ. ঋণপত্র (Letter of Credit) খোলা এবং Retirement সংক্রান্ত যাবতীয় কার্যাবলী সরকারের বিদ্যমান বৈদেশিক মুদ্রা নিয়ন্ত্রণ বিধি অনুসারে পরিচালিত হইবে।

শ্বা/-মোঃ সিদ্দিকুর রহমান চৌধুরী উপ-সচিব (উন্নয়ন-১) অর্থ বিভাগ

21. Procedure for operation of convertible taka special account (CONT ASA)

Finance Division Development Wing

No. MF/FD/DRS/3/91/444(20) DATED: May 04, 1992

From: Mr. Md. Shareefullah Joint Secretary (Dev)

Subject: Procedure for operation of convertible taka special account (CONT ASA) of IDA aided development projects under Government under Deptts/Autonomous/Semi-Autonomous Bodies (Revised)

The Government has decided, in consultation with IDA, to introduce a Convertible Taka Special Account (CONTASA) for IDA aided autonomous bodies. It is, however, to be noted that on going projects funded by IDA for which SAFE accounts has been in operation since 1985 shall not come under the purview of CONTASA until a review has been completed by the Government and IDA and both parties are in agreement to change the status of projects currently operation under SAFE to allow them to operate under CONTASA. The following procedures shall be applicable for the operation of CONTASA.

1. Opening of the Account:

- (a) With prior approval of the Finance Division and where permitted by the IDA Development Credit Agreement, one project Executing Agency may open under the title of the project one CONTASA WITH A COMMERCIAL BANK (Explanation where more than one project executive agencies are involved, each such agency can open one such CONTASA). CONTASA will be interest bearing and convertible to foreign exchange as stipulated in 2 (i).
- (b) The specimen signature of the Project Implementing Authority/Project Director responsible for operating the account shall have to be attested by the Head of the Deptt./Agency and the Administrative Ministry/Division in the specimen signature card of the Bank.
- (c) In cases where several drawing authorities are involved in a CONTASA, the Administrative Ministry/Division may in appropriate cases, authorize them for drawing from the CONTASA under intimation to the Finance Division. In such cases, too, the procedure (b) shall have to be followed.

2. Procedure for depositing to and fund utilization from CONTASA:

- (a) Immediately after the deposit of foreign currency by IDA with the Bangladesh Bank the latter shall transfer the Taka equivalent to the commercial bank for crediting the same to the CONTASA of the project.
- (b) The Finance Division shall issue authorization showing budget allocation against the project in the project aid head at the beginning of each financial year. This authorization will show the respective head of account and the break up of the fund for different phases of implementation of the same project given by the Administrative Ministry/Division. The Administrative Ministry/Division could revise this break-up, if necessary, and have revised authority issued by the Finance Division reflecting the original authorization.
- (c) In case where expenditure in addition to the authorization is necessary, the Administrative Ministry/Division may incur such additional expenditure with prior permission and authorization from the Finance Division. The total expenditure, including the amount of additional expenditure, shall not exceed the amount available in the projects CONTASA.
- (d) In case of Project Concept Paper (PCP) approved/unapproved projects, permission from the Planning Commission and Finance Division will be needed for issuing authorization.
- (e) Project Director/Project Implementing Authority shall not pay any bill from CONTASA unless authorization or additional authorization, as the case may be, issued from the Finance Division against the project.
- (f) Payment from CONTASA shall be made on the basis of work done, goods supplied, consultants services and training provided (for payment in foreign currency, please see (j) below).
- (g) However, advance payment stipulated in the respective contracts could be made from CONTASA for any work to be done, goods to be supplied, consultants services and training to be provided so specified in the Development Credit Agreement/Project Agreement or agreement.
- (h) The bill against which payment could be made available from CONTASA shall contain attestation of the Project Director/Project Implementing Authority in services and training provided. The Project Director/Project Implementing Authority shall maintain accounts of each bill in a separate ledger.
- (i) The commercial bank shall send a month-wise report concerning CONTASA maintained with them to the Project Implementing Agency. Administrative/ Ministry/Division, concerned Chief Accounts Officer and the Finance Division in the first week of the following month. The Project Implementing Agency shall prepare a statement of expenditure based on such report/account showing the head of account and shall send it to the Chief Accounts Officer. The Chief Accounts Officer shall make necessary entries in the Government Account according to the report.

- (j) All project expenditures eligible for IDA financing in local currency and any expenditure in foreign currency up to US\$ 50,000.00 equivalent or less shall be met from CONTASA. The limits would be agreed with IDA for new IDA project to be negotiated which require a CONTASA account based on the total amount of each project.
- (k) Proceeds of all IDA credit converted into Taka for deposit in CONTASA shall be freely convertible and may be used to meet eligible expenditure in Taka as well as in foreign currency subject to the provision stipulated in para "2 (J)" above.

3. General Conditions:

- (a) Project Implementing Agency/Project Implementing Unit (PIU) must submit claims in Taka for reimbursement for the bills paid on monthly basis to IDA immediately after the end of each month. The implementing agency must reconcile the bank statement and submit both the reconciliation and bank statements will replenishment applications in accordance with the intervals specified in IDA's disbursement letter for each project.
- (b) All expenditure/payment under CONTASA shall be incurred/made as per approved Project Proforma (PP) and terms and conditions of FCA and Project Agreement.
- (c) At the end of the financial year Administrative Ministry/Division shall issue an adjustment GO in respect of Autonomous and Semi-Autonomous bodies showing therein project-wise ADP allocation, revised ADP allocation, Taka received under CONTASA and expenditure thereof up to 30th June. If such GO is not issued by the 31st July, no fund from CONTASA can be used thereafter.
- (d) CONTASA shall be audited every year by the Foreign Aided Projects Audit Department of the Government.
- (e) Instructions regarding interest accrued and bank charges in respect of CONTASA shall be issued separately at a later date.

Sd/-Md. Shareeef Ullah Joint Secretary

Distribution:

- 1. Comptroller & Auditor General, Bangladesh
- 2. Governor, Bangladesh Bank, Dhaka.
- 3. Controller General of Accounts, Bangladesh
- 4. Director, Directorate of Audits, Foreign Aided Projects, AG Bhaban, Segunbagicha, Dhaka.
- 5. Director, Foreign Aid Budget & Accounts Branch, ERD.
- 6. The Chief Accounts Officer of all concerned Ministries.
- 7. All Officers of this Wing.

22. BRIDGE FINANCING FOR AIDED PROJECIS

GOVERNMENT OF THE PEOPLES REPUBLIC OF BANGLADESH MINISTRY OF FINANCE (External Finance Wing)

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Bridge Financing for Aided Projects.

The undersigned is directed to say that increasingly the Government is required to advance funds in foreign exchange for aided projects to provide down for general guidance and action on the part of concerned agencies:

- 1. Bridge financing will be resorted to only in cases where project aid is not immediately available but the expenditure is urgent and will be eligible for reimbursement by project aid. This concerns expenditure in foreign exchange which is required to be incurred by the recipient as an interim step and reimbursement later. This may happen for various reasons. For example, despite the signing of the agreement, project and may not become effective because of non fulfillment of certain formalities but the expenditure cannot wait. Project agreement may not have been singed though all formalities for commitment have been completed, Goods are required to be procured urgently while scrutiny of procurement by the Development Partner agency may take some time in the court of the Development Partner agency.
- 2. The executing agencies in such cases will approach ERD for bridge financing. In their request the executing agency will specify-(i) the loan or grant under which the expenditure will be ultimately financed (ii) the provision in the ADP to cover the expenditure (iii) the reasons for bridge financing (iv) the items of expenditure to be financed (v) the amount of bridge finance proposed and the duration for which it is necessary (vi) whether agreement on bridge financing has been reached with the Development Partner.
- 3. E. R. D. will examine each request for bridge financing and ensure that:
 - (i) The expenditure for which bridge financing is requested is permissible expenditure under project aid and reimbursement of such expenditure has been agreed to by the Development Partner either in the project document or informally.
 - (ii) There is sufficient provision of project aid in the A D P in the relevant columns. If there is no provision in the A D P concurrence of Planning Commission for the inclusion of the requisite provision (against the project in the ADP) must be obtained by the requesting executing agency.
 - (iii) Project aid has been committed or agreed to and reimbursement will be forthcoming within a period of not more than 12 months.
- 4. On being satisfied on the above points and any other points relevant to specific cases ERD, will recommend to the Finance Division release of specific amount foreign exchange for specified work on a project accepted for bridge financing. On scrutiny of the proposal, Finance Division will authorise

Bangladesh Bank to provide interest free foreign exchange loan to the agency needing bridge financing. Such authorisation will carry necessary counterguarantee for loans to be made by the Bangladesh Bank. At the same time Bangladesh Bank will be authorised to appropriate the amount of foreign exchange received in reimbursement of the expenditure incurred under bridge financing relating to Project Aid, under intimation to the ERD, Finance Division and the executing Agency, in order to liquidate the loan earlier given by them.

- 5. As soon as project aid becomes available on the relevant loan agreement becoming effective the ERD will ensure that the executing agency prefers its claim for reimbursement by the Development Partner agency of the foreign exchange bridge financing earlier provided. When reimbursement is claimed by the executing agency it should be notified to Bangladesh Bank, Finance Division and E.R.D. The Bangladesh Bank will furnish to the ERD and Finance Division every quarter a statement on bridge financing provided and reimbursement received. Reconciliation of bridge financing accounts should be jointly undertaken by Bangladesh Bank, Finance Division and ERD every six months. Failure to report on reimbursement of bridge financing within 12 months will result in automatic deduct on to an equal amount in taka currency from A.D.P. provision for the project or from the total allocation for agency.
- 6. The E.R.D. will ensure that reimbursement of project aid bridge finance are duly included in the accounts of foreign aid receipt and utilization to be sent to the Accountant General for incorporation in the over-all accounts of the Government.

| Joint | Secretary. |
|--------------|------------|
|--------------|------------|

| Distribution: | |
|---------------|--|
| | |

23. Matters Related to Visa for Foreign Nationals and Consultants

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার স্বরাষ্ট্র মন্ত্রণালয় বহিরাগমন শাখা-২

নং-স্বঃম্বঃ(বহিঃ-২)/১পি-৭/২০০৬/১১১০

তারিখঃ ০৬ জুন ২০০৭

পরিপত্র

বিষয়ঃ বিদেশী নাগরিকদের রেজিট্রেশন হতে অব্যাহতি প্রদান প্রসঞ্চো।

গত ০৪.০৪.২০০৭ তারিখে জারীকৃত সংশোধিত ভিসা নীতিমালায় ঢালাওভাবে সকল দেশের নাগরিকদের জন্য রেজিষ্ট্রেশন বাধ্যতামূলক করা হয়। ফলে অনেক উৎসাহী বিদেশী বিনিয়োগকারী, বিশেষজ্ঞ, আন্তর্জাতিক সংস্থায় কর্মরত কর্মকর্তা ও পর্যটক বিভিন্ন প্রকার হয়রানির শিকার হন এবং বাংলাদেশের প্রতি তাদের বিরূপ ধারণার সৃষ্টি হয়। এ প্রেক্ষিতে উক্ত নীতিমালার অবশ্যপালনীয় শর্তাবলীর ৭ ও ৮ নং ক্রমিকের শর্ত নিম্মরপভাবে প্রতিস্থাপন করা হলো।

- ৭। পূর্বতন প্রথা অনুযায়ী কেবলমাত্র ভারত, পাকিস্তান ও দক্ষিণ কোরিয়া হতে ৯০ দিন বা ৯০ দিনের অধিক মেয়াদে ভিসা নিয়ে আগতদের বিমান/স্থল বন্দরে রেজিষ্ট্রেশন করতে হবে।
- ৮। উপরোক্ত তিনটি দেশ ব্যতিত অন্যান্য দেশ হতে আগত বিদেশীদের রেজিষ্ট্রেশন হতে অব্যাহতি প্রদান করতে হবে।
- ২। এ আদেশ ০৩ মে ২০০৭ তারিখ থেকে কার্যকর হবে।

মোঃ মোজিবুর রহমান যুগম সচিব (রাজনৈতিক)

নং-স্বঃমঃ(বহিঃ-২)/১পি-৭/২০০৬/

তারিখঃ ০৬ জুন ২০০৭

বিতরনঃ (জ্যেষ্ঠতার ক্রমানুসারে নয়)

- ১। মন্ত্রিপরিষদ সচিব, মন্ত্রিপরিষদ বিভাগ/মখ্য সচিব, প্রধান উপদেষ্টার কার্যালয়, ঢাকা।
- ২। সচিব, পররাষ্ট্র মন্ত্রণালয়, ঢাকা (প্রতিপালনের জন্য পরিপত্রের অনুলিপি সংশ্লিষ্ট সকল বাংলাদেশ দৃতাবাস/মিশনে প্রেররের অনুরোধ করা হলো)।
- ৩। সচিব, (সংশ্লিষ্ট সকল)
- ৪। বাংলাদেশ দৃতাবাস/মিশন ----- (সকল)
- ৫। মহাপরিচালক, প্রতিরক্ষা গোয়েন্দা মহাপরিদপ্তর, ঢাকা।
- ৬। জাতীয় নিরাপত্তা গোয়েন্দা অধিদপ্তর, ঢাকা।
- ৭। মহাপরিচালক, এন.জি.ও বিষয়ক ব্যুরো, ঢাকা
- ৮। মহাপরিচালক, বহিরাগমন ও পাসপোর্ট অধিদপ্তর, ঢাকা।
- ৯। নির্বাহী চেয়ারম্যান,বিনিয়োগ বোর্ড, ঢাকা।
- ১০। নির্বাহী চেযারম্যান, বেপজা, ধানমন্ডি, ঢাকা।
- ১১। অতিরিক্ত মহাপুলিশ পরিদর্শক, এস,বি, ঢাকা।
- ১২। উপ সচিব (নিরাপত্তা) স্বরাষ্ট্র মন্ত্রণালয়, ঢাকা।

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগ অর্থ মন্ত্রণালয় সমন্বয়-২ শাখা

নং-ইআরডি/সম-২/বিবিধ-৩/২০০২/৫৯

তারিখঃ ১৩-০৮-২০০২

অফিস আদেশ

বিষয়ঃ বৈদেশিক সাহায্যপুষ্ট বিভিন্ন প্রকল্পের বিদেশী পরামর্শকগণের ভিসার মেয়াদ বৃদ্ধি/নিরাপত্তা ছাড় এবং পাসবুক সম্পর্কিত কর্মকান্ড ত্রান্বিতকরণ।

বিভিন্ন প্রকল্পের বিদেশী পরামর্শকগণের (Expatriate Consultants) ভিসার মেয়াদ বৃদ্ধি/নিরাপত্তা ছাড়-এর ক্ষেত্রে দীর্ঘসূত্রিতা ও জটিলতার বিষয়ে আলোকপাত করে সাম্প্রতিক সময়ে বিভিন্ন উন্নয়ন সহযোগী প্রতিনিধিগণ এ বিভাগের সচিবের দৃষ্টি আকর্ষণ করেছেন। বিদেশী পরামর্শকগণের নিকট যথাযথ সেবা প্রাপ্তির জন্য এবং উন্নয়ন সহযোগীদের সাথে সুসম্পর্কের জন্য এ ধরনের জটিলতা নিরসনের উদ্যোগ গ্রহণের লক্ষ্যে অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগ থেকে নেতৃত্ব নেবার বিষয়টে গুরুত্বপূর্ণ।

- ২. ১৯৯২-এর অক্টোবরে প্রণীত অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের হ্যান্ডবুকে বিদেশী পরামর্শক নিয়োগ ও পাসবুক সরবরাহ ও অন্যান্য কর্মকান্ডের পদক্ষেপ ও সময়সীমা বর্ণনা করা আছে। তবে বর্তমানে প্রায় ক্ষেত্রেই এ সময়সীমা রক্ষা করা হচ্ছে না এবং সকল আনুষ্ঠানিকতাও যথাযথভাবে পালিত হচ্ছে কিনা, তা নিবিড়ভাবে তদারকী করা হচ্ছে না।
- ৩. পরামর্শকগণের ভিসার মেয়াদ বৃদ্ধি/নিরাপত্তা ছাড়, কাষ্টমস্ পাসবুক অথবা নিয়োগ প্রদানের ক্ষেত্রে যথাক্রমে পররাষ্ট্র মন্ত্রণালয়, স্বরাষ্ট্র মন্ত্রণালয়, জাতীয় রাজস্ব বোর্ড ও প্রকল্প গ্রহণকারী লাইন মন্ত্রণালয় ও এজেন্সী জড়িত। অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের প্রতিটি উইং থেকে সকল কর্মকান্ড যথাযথ তদারকীর জন্য নিয়বর্ণিত কার্যক্রম গ্রহণ করতে হবেঃ
- ক. উন্নয়ন সহযোগীদের নিকট থেকে ভিসার আবেদন, মেয়াদ বৃদ্ধি/নিরাপত্তা ছাড়-এর আবেদন পাওয়ার ৪৮ ঘন্টার মধ্যেই সংশ্লিষ্ট মন্ত্রণালয়ে প্রেরণ করতে হবে;

অথব

অসম্পূর্ণ তথ্যের বিষয়ে <u>৭২ ঘন্টার মধ্যে</u> প্রস্তাব প্রেরণকারী উন্নয়ন সহযোগীকে জানিয়ে দিতে হবে;

- খ. অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের অধিশাখা প্রধানগণ <u>৭ (সাত) দিন</u> পর সংশ্লিষ্ট মন্ত্রণালয়ে ব্যক্তিগতভাবে যোগাযোগের মাধ্যমে বিষয়টি নিস্পত্তির প্রচেষ্টা গ্রহণ করবেন। উইং প্রধানগণ উক্ত কার্যক্রম সমন্বয় করবেন এবং প্রয়োজনবোধে এ বিষয়ে সংশ্লিষ্ট মন্ত্রণালয়ের সাথে যোগাযোগ করবেন;
- গ. উন্নয়ন সহযোগীভিত্তিক, বিভিন্ন বিদেশী সাহায্যপুষ্ট প্রকল্পে কত জন বিদেশী পরামর্শক কাজ করছেন, তার তথ্য <u>সংযুক্ত ছক অনুযায়ী</u> সংগ্রহ করতে হবে এবং <u>সংশ্লিষ্ট শাখায়</u> সংরক্ষণ করতে হবে:

- ঘ. প্রতিটি উন্নয়ন সহযোগী দেশ/সংস্থার বিভিন্ন প্রকল্প/সংস্থাওয়ারী বিদেশী পরামর্শকদের যথাসময়ে ভিসার মেয়াদ বৃদ্ধির বিষয়টি অধিশাখা প্রধান তদারকী করবেন;
- ৬. উন্নয়ন সহযোগী দেশ/সংস্থাসমূহের নিকট থেকে পরামর্শকগণের ভিসার মেয়াদ, নিরাপত্তা ছাড় বা কাষ্টমস পাস বুক সরবরাহ সংক্রান্ত জটিলতা সৃষ্টি হলে তা নিরসনের জন্য অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের বিভিন্ন উইং থেকে প্রকল্প রিভিউ সংক্রান্ত মাসিক আমআঃ মন্ত্রণালয় সভায় তা আলোচনা করে নিরসনের উদ্যোগ নিতে হবে;
- চ. প্রকল্প রিভিউ সংক্রান্ত মাসিক আন্তঃমন্ত্রণালয় সভায় আলোচনার পাশাপাশি সচিব, অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের সভাপতিত্বে অনুষ্ঠিত মাসিক সমন্বয় সভায় সংশ্লিষ্ট উইং প্রধান কর্তৃক তা উপস্থাপন করা যেতে পারে;
- ছ. ভিসার মেয়াদ বৃদ্ধি/নিরাপত্তা ছাড় এবং পাসবুক এর জন্য পরামর্শক/ বিশেষজ্ঞগণকে কী কী তথ্যাদি প্রদান/শর্ত পূরণ করতে হবে, তা সব উন্নয়ন সহযোগীকে জানিয়ে দিতে হবে;
- জ. এন্ট্রি ভিসা/ট্যুরিষ্ট ভিসা নিয়ে এ দেশে এসে কাজ করা যায় না, এ বিষয়টি সংশ্লিষ্ট সকল উন্নয়ন সহযোগীকে জানিয়ে দিতে হবে:
- ঝ. জাতীয় রাজস্ব বোর্ডকে নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে কাষ্টমস পাস বুক ইস্যু করার জন্য অনুরোধ করতে হবে; এবং
- ঞ. এছাড়াও, অন্য কোন সমস্যার উদ্ভব হলে, অর্থনৈতিক সম্পর্ক বিভাগের উইং/ব্রাঞ্চ প্রধান সমস্যার সাথে সংশ্লিষ্ট মন্ত্রণালয়/বিভাগ/সংস্থার সাথে দ্বিপাক্ষিকভাবে আলোচনার মাধ্যমে সমাধানের প্রচেষ্টা গ্রহণ করবেন।

আনিসুল হক চৌধুরী সচিব

বিতরণঃ উইং প্রধান (সকল)

24. Channels of Communication with Foreign Governments/ Organizations

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার মন্ত্রিপরিষদ বিভাগ

নং-মপবি-৪/২/২০০২-বিধি/৫৫

তারিখঃ ২৩ বৈশাখ ১৪০৯/ ০৬ মে ২০০২ পরিপত্র

বিষয়ঃ বিদেশী সরকার বা সংস্থার সাথে সরাসরি যোগাযোগের বিধান প্রসঞ্চো।

সম্প্রতি লক্ষ্য করা যাচ্ছে যে, কিছু কিছু মন্ত্রণালয়/বিভাগ বিদেশী সরকার, দূতাবাস ও আন্তর্জাতিক ও সংস্থার সাথে সরাসরি যোগাযোগ করছে। বিদেশী সরকার, দূতাবাস ও আন্তর্জাতিক ও সংস্থার সাথে যোগাযোগের পদ্ধতি সম্পর্কে Rules of Business, 1996 এর Rule 29-এ নিম্নরূপ বিধান রয়েছেঃ-

29. Channels of communication with foreign government/agencies.

(1) Except as provided sub-rule (3) below all correspondence made by a Ministry/Division/Attached Department with the Government of a foreign country or a foreign mission in Bangladesh or an international organisation, shall normally be conducted through the Ministry of Foreign Affairs except in matters relating to the utilization of agreed foreign assistance concerning the Ministry/Division:

Provided that by means of general or special orders to be issued by the Ministry of Foreign Affairs direct correspondence may be allowed under such conditions and circumstances as may be specified from time to time.

- (2) For direct contact by Ministries with foreign missions located in Bangladesh, the following points are to be carefully observed:
 - (i) Representatives of foreign missions are required to call on officials of the host Government and never vice versa;
 - (ii) Ministers, Ministers of State and Deputy Ministers should normally receive only Heads of Missions, i.e., Ambassador/High Commissioners or Charge d' Affairs:
 - (iii) Secretaries/Heads of Attached Department/ Head of Autonomous Bodies should receive Heads of Missions i.e., Ambassadors, High Commissioners or Charge d' Affairs. When the Head of Mission is not in Dhaka the second official of the Mission in order of hierarchy may be received provided such officials are not below the rank of Counsellor or First Secretary, and the business at hand is of urgent nature.
 - (iv) Normally contacts with foreign Missions should be limited to the level of Joint Secretaries who should receive the second official of the mission in order of

ierarchy. They may receive the next official in rare cases provided such officials carry the rank of First Secretary.

- (3) All requests to a foreign government or an international organization for economic or technical assistance shall be made through the Economic Relations Division or Finance Division, as the case may be, which shall correspond with the foreign government and other international agencies, except in matters relating to the utilization of the agreed foreign assistance concerning the Ministry/Division.
- ২। সকল মন্ত্রণালয়/বিভাগকে উপর্যুক্ত বিধি যথাযথভাবে অনুসরণ করার জন্য অনুরোধ করা হলো।

মুহম্মদ ফজলুর রহমান যুগম সচিব

বিতরণঃ

- ১। মুখ্য সচিব, প্রধানমন্ত্রীর কার্যালয়।
- ২। রাষ্ট্রপতির সচিব, রাষ্ট্রপতির কার্যালয়।
- ৩। সচিব/ভারপ্রাপ্ত সচিব, সকল মন্ত্রণালয়/বিভাগ
- ৪। মাননীয় প্রধানমন্ত্রীর একান্ত সচিব-১, প্রধানমন্ত্রীর কার্যালয়।
- ে। মন্ত্রী/প্রতিমন্ত্রী মহোদয়গণের একান্ত সচিব।

25. Brief on Infrastructure Investment Facilitation Company (IIFC)

Infrastructure Investment Facilitation Company (IIFC) is an advisory body of Government of Bangladesh under the Economic Relations Division (ERD) of the Ministry of Finance and the government's recognized PPP expert of the country. It was established to facilitate private sector investment in infrastructure of Bangladesh. IIFC was incorporated in 1999 as a company limited by guarantee under the Companies Act 1994. It became operational in January 2000. IIFC's objective is to promote and facilitate infrastructure projects in the country through Public-Private Partnership (PPP).

IIFC maintains a pool of staff and experts in PPP. It has employee strength of above 30 and operates by engaging local and expatriate consultants. Both the payroll staff and retainers are renowned professionals in their respective areas of specialization and a large number of them have experience of working overseas in multi-national and multi-cultural teams.

The company has a seven-member Board of Directors. The overall policy making decisions of IIFC are vested with the Board of Directors. The Board comprises of the members who have a proven outstanding professional career record with high-level management capabilities.

Three directors are from government; three from private sector and the Chief Executive Officer is an ex-officio member of the Board. Secretary, ERD, is the Chairman of the Board. While the Board of Directors provide broad policy guidelines, the company runs with freedom, in day-to-day operations, to sign contracts and deliver services to clients on a commercial basis

IIFC undertook a large number of infrastructure projects for private investment after becoming operational in January 2000,. As a result of IIFC efforts, the telecom sector has become a very active private investment area. It is also advancing well in a number of other infrastructure sectors such as ports, power, bridges, economic zones and energy. IIFC is also advocating to the government for framing policies towards creating an enabling environment for the private sector.

The way IIFC works:

IIFC usually searches for projects where private investment can be attractive. Once they identify a viable business opportunity, they reach agreement with the relevant government ministry or agency for developing the opportunity for private investment under a suitable framework. After an agreement is reached with the government ministry/agency for developing a project for private sector participation, they engage the consultants to carry out the project development work. The consultants and IIFC's core staff work closely with the relevant government ministries or agencies for developing the project for private participation. IIFC also assists the Government of Bangladesh in creating an enabling environment for PPP in developing infrastructure of the country. The aim is to reduce demand for public fund and channel it towards the social sector where public resources are required most. They are driven by the belief that the Government's role in infrastructure should largely be limited to areas where there is no demonstrable willingness from private sector for carrying out a particular infrastructure project. Fore more information, please visit: www.iifc.net

26. Brief on Infrastructure Development Company Limited (IDCOL)

Infrastructure Development Company Limited (IDCOL) was established on 14 May 1997 by the Government of Bangladesh (GOB). The Company was licensed by Bangladesh Bank as a non-bank financial institution (NBFI) on 5 January 1998. Since its inception, IDCOL is playing a major role in bridging the financing gap for developing medium and large-scale infrastructure and renewable energy projects in Bangladesh. The company now stands as the market leader in private sector energy and infrastructure financing in Bangladesh.

IDCOL is managed by an eight-member independent Board of Directors comprising four senior government officials, three prominent entrepreneurs from the private sector and a full time Executive Director and Chief Executive Officer. Secretary, ERD is the Chairman of the Board of Directors. It has a small and multi-skilled work force comprising economists, financial and market analysts, engineers, lawyers, IT experts and accountants. IDCOL's stakeholders include the government, private sector, NGOs, multilateral institutions, academics and the people of Bangladesh at large.

Mission and Values

IDCOL's mission is to promote economic development in Bangladesh by encouraging private sector investment in energy and infrastructure projects. IDCOL's values include:

- Global standard and competence: IDCOL is committed to deliver financial services to the clients maintaining global standards and competence;
- Transparency and integrity: IDCOL believes in maintaining transparency and integrity in all activities performed by the Company; and
- Social responsibility: IDCOL is dedicated to perform as a development financial institution that articulates social responsibility.

Products & Services

Currently, IDCOL is involved in five distinct programmes:

- Financing and arranging finance for large and medium sized infrastructure projects implemented by private sector;
- Working as Facility Agent and Security Trustee under projects;
- Refinancing of micro-credit provided by NGOs / MFIs and other private entities for promotion of renewable energy;
- Channelling grants and technical assistance for rural infrastructure;
- Providing financial advisory services to both financial institutions and project sponsors;
- Organizing training courses on project finance and financial modelling.

Please visit www.idcol.org for detailed information.